केशवसृष्टि समाचार

Postal Registration No. THW/06/2017-2019 Posted at Partika Channel Sorting Office, Mumbai GPO 400001. Published on 5th of every month & Posting on 7th and 8th of every month. RNI no. 72232/99

वर्ष १९ । अंक ८ । भायंदर । अगस्त २०१९ । विक्रम संवत २०७५ । पृष्ठ ५२ । मूल्य रु. १०/- वार्षिक रु.१००/-

ग्रामविकास

केशवसृष्टि पुरस्कार

पर्यावरण अध्ययन

केशवसृष्टि

निरंतर प्रगति का अविरल प्रयास ... ...

केशवसृष्टि समाचार

एक दिन का किसान

रज्जुभैया पर्यावरण एंव उर्जा पार्क

अक्षय ऊर्जा कॅम्प

घना जंगल निर्माण

सीड़बॉल कार्यशाला

नेक्टर गार्डन

प्रो. राजेन्द्रसिंह ऊर्जा अभियान (PRSOA)

माय ग्रीन सोसायटी

आशीर्वाद खाद

केशवसृष्टि में पर्यावरण का
'आनंद भ्रमण'

संपादकीय

विकास किसी भी संस्था के जीवन्त होने का प्रमाण होता है। गत सदी के अस्सी के दशक से लेकर अब तक का केशवसृष्टि का इतिहास उसकी जीवन्तता को मुखरित कर रहा है। संघ प्रचारक मा. श्री पणशीकर से प्रेरित आबा मयेकर, दादा नलावडे, भाई गायतोंडे जैसे कार्यकर्ताओं के पसीने से सिंचित यह भूमि अब फल फूल रही है और इसकी सुगंध विश्वभर में फैल रही है। शैशव काल में केशवसृष्टि को भी काफ़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। परन्तु धीरे धीरे लोग जुड़ते गये और एक बार खड़े हो जाने पर केशवसृष्टि ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। केशवसृष्टि के अन्तर्गत जीवन के विभिन्न आयामों की संस्थाएँ खड़ी होती गयीं। कृषि तंत्र निकेतन, गौशाला, शिक्षण के क्षेत्र में आवासीय और दैनिक विद्यालय, कार्यकर्ताओं के शिक्षण हेतु रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी, वृद्धजनों हेतु वानप्रस्थाश्रम तथा वनौषधि संशोधन संस्था कार्यरत है। कुछ वर्ष पूर्व केशवसृष्टि पुरस्कार योजना प्रारंभ की गयी जिसके अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष सामाजिक सेवा कार्य करने वाले व्यक्ति अथवा संस्था को पुरस्कृत कर सम्मानित किया जाता है। उसके बाद आया प्रोफ़ेसर राजेन्द्रसिंह ऊर्जा अभियान अर्थात् पर्यायी ऊर्जा स्रोत का उपयोग । इस योजना में एक लाख से अधिक विद्यार्थियों ने सौर ऊर्जा द्वारा भोज्य पदार्थ तैयार कर विश्व रिकार्ड कमाया जिसका संज्ञान लिम्का बुक तथा गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकार्डस् ने भी लिया । वर्तमान में कुछ नये आयाम जुड़े हैं। कृषि तंत्र निकेतन के पूर्व विद्यार्थियों के सहयोग से ठाणे व पालघर ज़िलों के चालीस गांव गोद लेकर केशवसृष्टि ग्राम विकास योजना आरंभ की गयी जिसमें अब मुम्बई के युवा भी जुड़ गये हैं और जल प्रबंधन , कुटीर उद्योग, संस्कार केन्द्र आदि द्वारा इन गाँवों में विकास कार्य हो रहे हैं। केशवसृष्टि माइग्रीन सोसाइटी द्वारा मंदिरों का निर्माल्य हो अथवा अन्य गीला कचरा, उससे खाद बनाने की प्रक्रिया के बारे में लोगों का प्रबोधन एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। नेक्टर पार्क बनाया गया है जहाँ अब मधुमख्खियों व तितलियों आदि जीवजन्तु आकर्षित होकर आ रहे हैं। नगरों के विकास कार्यों के कारण हो रही हानि से पर्यावरण को बचाने हेतु सिटी फारेस्ट की योजना शुरू की गयी है। छोटे से क्षेत्र में अधिकाधिक पेड़ लगाना इस योजना का विषय है। वनौषधि संशोधन संस्था द्वारा साइनोफार्म संशोधन केन्द्र प्रारंभ किया गया है तो कृषि तंत्र संस्था द्वारा एक दिन का किसान कार्यक्रम । केशवसृष्टि का प्रारंभिक काल से एक विशेष वार्षिक कार्यक्रम रहा है श्री सत्यनारायण महापूजा जिसमें मुंबई और ठाणे आदि स्थानों से हज़ारों की संख्या में लोग आते हैं और प्रसाद ग्रहण करते हैं। वैसे ही गौशाला संस्था का वार्षिक गोपाष्टमी मेला। यही है केशवसृष्टि। श्रावण मास त्यौहारों का महीना है। नागपंचमी, मछुवारों के लिए विशेष नारियल पूर्णिमा, भाई-बहनों के स्नेह का प्रतीक रक्षा बंधन, श्रीकृष्ण जयन्ती और गोविंदा आला रे की घोषणाओं के साथ मटकी फोड़ने का उत्सव गोपालकाला और पारसी बन्धुओं का नववर्ष, पतेती, खोददाद साल और मुस्लिम बंधुओं की बकरीद और सभी भारतवासियों के गर्व का प्रतीक स्वतंत्रता दिवस। सभी भारतवासियों को शुभकामनाएँ। इस मास महर्षि अरविंद की जयन्ती तो बाल गंगाधर तिलक व असम के माधवदेव की पुण्यातिथि है। इन महापुरुषों की पुण्यास्मृति को सादर नमन।

दिनांक २२ जुलाई भारत के इतिहास में सुवर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा। चान्द्रयान-२ का सफल प्रक्षेपण - इसका तीसरा भाग प्रज्ञान (गेवर), चन्द्रमा के दक्षिण ध्रुव पर उतर कर जल आदि की खोज करेगा। इस निमित्त इसरो के वैज्ञानिकों और कर्मियों का अभिनन्दन और केशवसृष्टि परिवार की ओर से शुभकामनाएँ।

बोध-वाक्य

समानो मंत्रः समितिः समानी
समानं व्रतं सहचित्तमेषाम् ।
समानेन वो हविषा जुहोमि
समानं चेतो अभिसंविशध्वम् ।।

(अथर्ववेद६.६४.२)

हे बंधुओं! हमारे विचार समान हों।
हमारी सभा सबके लिए समान हो।
हम सबका संकल्प एक समान हो।
हम सबका चित्त एक समान भाव से भरा हो।
एक विचार होकर अपने कार्य में एक मन से लगे।
इसीलिए हम सबको समान मौलिक शक्ति मिली है।

केशवसृष्टि समाचार

अगस्त २०१९ मासिक
वर्ष २० | मूल्य रु. १०/-
अंक ८ | वार्षिक रु. १००/-

संपादक मंडल :

सुदर्शन शर्मा
(मुख्य संपादक)

व्यासकुमार रावल
विजय इंगळे

कार्यालय :

केशवसृष्टि, उत्तन,
भायन्दर, जि. ठाणे

दूरभाष :

२८४५०२४७, २८४५२८५५

मुद्रक एवं प्रकाशक
सुरेश भगेरिया
केशवसृष्टि के लिए

युनिटी आर्ट ऑफसेट :

३०२, वडाला उद्योग भवन,
वडाला, मुंबई - ४०० ०३१.
से मुद्रित और केशवसृष्टि,
उत्तन, भायन्दर, जि. ठाणे
से प्रकाशित हुई है।

CMYK

सब के सहयोग से आगे बढने का निरंतर प्रयास

- विनय नाथानी, कार्यवाह

संघ शक्ति का आविष्कार अर्थात केशवसृष्टि - मा. मुकुन्दराव पणशीकरजी की दूरदृष्टि तथा डॉ. शरदचंद्र अजिंक्य द्वारा सामाजिक कार्य हेतू तृतीय सरसंघचालक प.पू. बाला साहब देवरसजी को दान स्वरुप समर्पित करना और बाला साहेब द्वारा वैसा ही आश्वासन देने का परिणाम है केशवसृष्टि! वर्ष १९८२ की विजयादशमी पर संघ के वरिष्ठ अधिकारीयों ने जब इस भूमि को स्पर्श किया तो तभी वहाँ दैवी संकेत हो गया था कि यहाँ पर नंदन वन होगा जिसका प्रत्यक्ष दृष्टांत हम केशवसृष्टि के वर्तमान रुप को देख रहे है तथा आज यह भारत को शक्तिशाली, सार्मथ्यवान तथा संगठित बनाने की दिशा में सरिता की तरह बह रही है तथा आज यहाँ पर युवा शक्ति संघ की तीसरी पीढी के रूप में कार्य कर रही है।

खेती सम्बन्धि शिक्षा के लिये उत्तन कृषि संशोधन संस्था, वनस्पति औषधि के सन्दर्भ में उत्तन वनौषधि संशोधन संस्था, कुपोषण जैसी राष्ट्रीय समस्या के सन्दर्भ में सायनोफार्म अनुसंधान प्रकल्प, जीवन का उत्तरार्ध शांती व समाधान के क्रम से वानप्रस्थाश्रम, अच्छे नागरिक निर्माण तथा व्यक्तित्व विकास के क्रम में रामरत्ना विद्यामंदिर तथा इन्टनरनेशनल स्कुल, दूध न देने वाली गाय किसान पर बोझ नही होती यह सिद्ध करने हेतु केशवसृष्टि गौशाला केशवसृष्टि समाचार, देश विदेश में प्रसिद्ध विशाल प्रशिक्षण केन्द्र रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी, महादानी भूदानी डॉ. अजिंक्य स्मृति, पर्यावरण संरक्षण हेतू सहल के माध्यम से कागज़, कोयला, सौर ऊर्जा का निर्माण, विविध समाजिक क्षेत्रो में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा को केशवसृष्टि पुरस्कार, संघ स्वयंसेवकों के शिबिर हेतू मैदान, एक किसान के जीवन का अनुभव प्राप्त करने हेतु एक दिन का किसान योजना, केशवसृष्टि महोत्सव व महापूजा, शहरो में जमा होने वाले कचरे के व्यवस्थापन की जानकारी देने व कचरे से खेती के लिये खाद्य बनाने हेतू माय ग्रीन सोसायटी, स्थानीय युवाओ में नेतृत्व व गाव के विकास हेतू ग्राम विकास योजना, सौर ऊर्जा के महत्त्व को जन जन तक पहुंचाने सूर्यकुम्भ जैसे प्रकल्प अपनी इस केशवसृष्टि के आभूषण है, अर्थात एक विशुद्ध देशभक्ति तथा सेवा भाव दर्शाने वाले प्रकल्प का नाम है केशवसृष्टि ।

इस वर्ष केशवसृष्टि के अन्तर्गत मायग्रीन सोसायटी के माध्यम से हमने तीन सीटी फॉरेस्ट बनाये जिनमें एक केशवसृष्टि मैं है जबकि दो अन्य मालाड व अंधेरी में है। सामान्यतया मंदिरो में भगवान को चढाये जाने वाले फूल जब बासी हो जाते तो लोग इसे कचरा समझ कर फेक देते है परन्तु हमने इसे भगवान का आशीर्वाद मान कर आशीर्वाद खाद के रूप में वेस्ट मेनेजमेंट योजना शुरु की तथा आज ५० मंदिरो में कम्पोस्ट किया जा रहा है अर्थात उन फुलों से खाद बनाया जा रहा है। जिसे आशीर्वाद खाद के नाम से जाना जाता है। तथा हम मंदिरो में भी जाकर ट्रेनिंग देते है। इसके अतिरिक्त करीब २५०० स्कुली विद्यार्थियों को वेस्ट मेनेजमेंट के बारे में जानकारी दी। प्रतिवर्ष केशवसृष्टि पुरस्कार के माध्यम से समाज के बिच उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा को केशवसृष्टि पुरस्कार से सम्मानित करते रहे है। जबकि लक्ष्मणराव भिडे व्याख्यान माला में देशहित के विषयों का परामर्ष लिया जाता है। इसके विपरित विज्ञान की शिक्षा के क्रम में केशवसृष्टि के माध्यम से विज्ञान प्रयोग शाला तथा ऐसे स्कुल जहाँ लॅब नहीं है वहां प्रेक्टीकल कार्याभ्यास करवाया जाता है।

प.पू. बाला साहब देवरस द्वारा महादानी डॉ. शरदचंद्र अजिंक्य को जैसा आश्वासन दिया गया था उसी के अनुरूप विविध सेवा कार्य केशवसृष्टि के माध्यम से समाज के बीच सेवावृत्ति राष्ट्रीय भावना के साथ करते हुए केशवसृष्टि का विश्व में मान बढे ऐसा महान ध्येय लेकर आप सब के सहयोग से हम बढ़ रहे है तथा निरंतर प्रयासरत है।

Be a farmer for a day
&
Akshay Oorja Camp

Aksahy Oorja Camp
a first of its kind residential camp designed to Explore, Experience and Express the possibilities that the field of Energy and Environment holds in near future.
AkshayOorja camp is a residential two to three days' program. Participants experience the alternative source of energy use, reuse what to use, how to and also being responsible citizen of today and tomorrow. Throughout the program workshop, lecture and practical program on alternative source of energy only. Since last two years we have been started accommodation facility in RMP.
There are certain schools in Mumbai, which are regularly participating for Akshayoorja camp program.

This year also around 160 students of 9th Standard from Soorajba vidya Mandir got benefited from the AOC camp.

Be a farmer for a day Program

bring an opportunity to come out of the busy city life and spend your time close with the nature. Live and experience life like farmer. BFFD program offered hands on experience of farming activities, plucking vegetable, cooking your plucked vegetables, workshop on various subject like kitchen gardening, paper making, seed ball making, charcoal, compost making etc. And then visiting Gaushala, milking, butter milk making, and Gauseva etc.

The Be a farmer for a day program is organised on a regular basis. Corporates, schools, colleges, kids, family and including adult group can be part of this program. it's a popular event amongst corporate group, family

and children where all can find their kind of activities.

Last year received overwhelmed response for the BFFD program.There are eight hundred (800+) plus participants got benefited from the BFFD program. Pinnacle was Nomura Pvt Ltd who repeatedly has given 36 BFFD program throughout the year and other corporate like L&T, RBI, HDFC, MotilalOswal, Bank of Badoda and Rotary club member of Andheri also experienced BFFD program.

By the experience of the last year response for the BFFD program, we also started little farmer program, the concept is simple children will do farming activities with their parents, grandparents and with their guardian. We received repeatedly inquires for the LITTLE farmer programs too.

Nectar Garden Report

One more attraction added in Keshavsrushti in form of Nectar garden.

On 6th April 2019 inauguration ceremony took place in hand of Mr. Arun Bhageria, Shri S.S Gupta, Shri Devkinandan Jindal, Shri Dau Dayal Sharma, Shri Vinay Nathani.

Nectar Garden construction jointly sponsored by Shri Arun Bhageria and Bharat Vikas Parishad (Malad-east). And garden plantation sponsored in memory of Late Laxmidevi Nagarmal Sekhsaria.

Detail	Numbers
Variety of Plants	48
Number Of species	40
Herbs	10
Shrub Species	14
Climber	09
Tree species	07

With Best Complients From :

Siddhartha Super Spining Mills Ltd.

Head Office :

A - 104, Gokul Arcade, Sahar Road, Vile Parle (E), Mumbai - 4000 057.
Ph : 022 - 66937161 / 62 Fax : 66936851
E-Mail : nagani@vsnl.com, Shreenagani@gmail.com

Regd. Office Cum Works:

Village : NIHLA KHERA - NALAGARH - 174 101, DIST. : SOLAN (H.P.)
Phone : 223012, 223014 • Fax : 01795-220 441 • Gram : Superspin
Email : siddharthasuper@gmail.com, sssmltd@sancharnet.in

Nectar Garden spread over 4500 square feet area. Around 1336 plants planted in the garden.

S. No.	Binomial Name	Common Name(s)	Quantity
1	*Alpinia zerumbet*	Shell Ginger Lily - Green	20
2	*Alpinia zerumbet*	Shell Ginger Lily - Variegated	20
3	*Argyreia nervosa*	Elephant Creeper	15
4	*Asystasia gangetica*		20
5	*Barleria cristata*	Barleria - White	50
6	*Barleria cristata*	Barleria - White	50
7	*Bauhinia acuminata*	White Orchid Tree	10
8	*Bauhinia tomentosa*	Yellow Orchid Tree	10
9	*Beaumontia grandiflora*	Nepal Trumpet Vine	2
10	*Bryophyllum pinnatum*	Panfuti	50
11	*Citrus limon*	Lemon	5
12	*Clerodendrum laevifolium*	Bridal Veil	10
13	*Combretum indicum*	Madhumalati - Double	5
14	*Combretum indicum*	Madhumalati - Dwarf	75
15	*Crossandra infundibuliformis*	Firecracker Plant - Red	100
16	*Crossandra infundibuliformis*	Firecracker Plant - Orange	100
17	*Crossandra infundibuliformis*	Firecracker Plant - Yellow	100
18	*Eranthemum pulchellum*	Blue Sage, Gulsham	30
19	*Erythrina stricta*	Coral Tree	5
20	*Erythrina variegata*	Indian Coral Tree	5
21	*Gardenia jasminoides*	Ananta	15
22	*Hedychium coronarium*	Butterfly Ginger Lily	25
23	*Helicteres isora*	Maror Phali	8
24	*Hiptage benghalensis*	Madhavilata	2
25	*Holmskioldia sanguinea*	Mendarin Hat	20
26	*Ixora coccinea*	Ixora	150
27	*Justicia adhatoda*	Adulsa	30
28	*Murraya koenigii*	Curry Leaf Tree	5
29	*Murraya paniculata*	Madhukamini	10
30	*Nerium oleander*	Oleander - Pink	25
31	*Nerium oleander*	Oleander - Pink Dwarf	25
32	*Ocimum basillicum*	Sabja	50
33	*Ocimum gratissimum*	Ram Tulsi	5
34	*Ocimum sp.*	Vajayanti Tulsi	5
35	*Pogostemone benghalensis*	Pangli	25
36	*Rotheca serrata*	Bharangi	10
37	*Senna surattensis*	Glaucous Cassia	20
38	*Tabernaemontana divaricata*	Crepe Jasmine - Single	30
39	*Tabernaemontana divaricata*	Crepe Jasmine - Double	30
40	*Tabernaemontana divaricata*	Crepe Jasmine - Variegated	30
41	*Thunbergia coccinea*	Himalayan Clock Vine	2
42	*Thunbergia fragrans*	Sweet Clock Vine	5
43	*Thunbergia mysorensis*	Myrose Clock Vine	5
44	*Thunberia grandiflora*	Bengal Clock Vine	2
45	*Vallaris solanacea*	Doodhi Bel	10
46	*Vitex negundo*	Nirgudi - Black	10
47	*Volkameria inermis*	Glory Bower	50
48	*Woodfordia fruticosa*	Dhayati	50
		Total Plants	**1336**

City Forest Annual Report

Keshavsrushti's My green society undertakes ecological site survey where all aspects are studied based on which native flora of that particular region in selected. This species selection helps us in undertaking calendar plantation to make sure food availability for birds, bees, butterflies and small wildlife is there across the year.

The aim for undertaking multispecies high density plantation is to achieve ecological succession in a shorter period of time. A process which may take 20 years will require only 2-3 years by this methodology.

Such ecologically diverse and rich high density forests in cities have an ecological spill over effect in a radius of 3-4 km where plant species dispersal will ultimately happen with frugivorous birds, insects and mammals helping in seeds dispersals.

Keshavsrushti created 3 city forests across the city till date.

City Forest Location	Square feet	Plants Number	Native species
KeshavSrushti, Uttan Bhayandar	3000 sq.ft.	2000+	50
Andheri (East), HDIL building	2500 sq.ft.	1535	50
Malad (west) BMC Garden	1500 sq.ft.	600	40+

Major highlight of the projects

1. We have sighted migratory birds in the dense forest of KeshavSrushti.
2. Certain plants have taken a height of 15 – 20 feet.
3. Frequently snakes are sighted in the KeshavSrushti city forest.
4. In last 1 year, almost 20000 visitors have seen the forest.
5. Maharashtra Government has asked us to be part of the team, which shall be creating dense forest across Maharashtra. However, we are not keen to be part of the team.
6. Chief Forest Conservator of Maharashtra personally visited forest of Malad and KeshavSrushti, not to mention, was more than impressed.
7. Members of Vijay Nagar Society, Andheri want a similar forest in their premises.
8. 100% survival rate makes us very happy.

मीरा-भायंदर म.न.पा. के ५ वी, ७ वी, और ८ वी कक्षा के २५०० विद्यार्थियों ने ली

कचरा व्यवस्थापन की जानकारी

केशवसृष्टिमाय ग्रीन इंडिया द्वारा आयोजित इस कचरा व्यवस्थापन के अभिनव उपक्रम के द्वारा दिनांक १५ से २२ अक्तूबर २०१८ तक मीरा भायंदर म.न.पा. के ५ वी,७ वी, और ८ वी कक्षा के २५०० विद्यार्थियों को कचरा व्यवस्थापन विषय और उस के अंतर्गत किये जाने वाले विविध उपाय योजना के बारे में जानकारी से अवगत कराया गया।

१५ अक्तूबर २०१८ को मीरा भायंदर की आदरणीय महापौर श्रीमती डिम्पल मेहता जी और प्रभाग समिति अध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल जी के द्वारा कचरा व्यवस्थापन के इस कार्यशाला का उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुवा। १८ तारीख को दशहरा और २१ तारीख रविवार का दिन छोड़कर रोज ४००-५०० बच्चे केशवसृष्टि आने वाले थे।

इस उपक्रम के बहाने हमें भी म.न.पा. स्कुलों से संपर्क करने का मौका मिला। कुछ स्कूलें इतनी अन्दर थी बस क्या रिक्शा भी नहीं जा सकती थी, हर स्कुल के लिए नजदीक के रस्ते पर १ कोमन मीटिंग पॉइंट निश्चित किया गया। नवरात्रि में रात को देर से सोने के कारण विद्यार्थी सबेरे जल्दी उठ नहीं पा रहे थे। इस के चलते विद्यार्थीओं को जमा करने के लिए शिक्षक को भी काफी मेहनत करनी पड़ी। रोज सबेरे ८-८.३० बजे सारी जगह से बसे केशवसृष्टि कॅम्पस में दाखल हो जाती थी। फिर बसों में अन्ताक्षरी खेल कर थके हुवे बच्चे भी भरपेट कंदा-पोहा का नाश्ता कर के फिर से चार्ज हो जाते थे। सभी छात्रों को पहले केशवसृष्टि के विविध आयाम और गति विधियोंसे परिचित कराया जाता था। उस के बाद विविध संस्था से आये प्रतिनिधि विद्यार्थियोंको कचरे के अपाय, कचरा वर्गीकरण और कचरे का कम्पोस्टिंग के बारे में जानकारी देते थे। बच्चों को विविध वीडियो, प्रेसेंटेशन और खेल के माध्यम से यह जटिल जानकारी काफी आसन तरीके से अवगत करायी जाती थी। बच्चे भी खूब आनंद लेकर सारी जानकारी अपने नोट बुक में लिख रहे थे।

प्रथमतः विद्यार्थियों को सिर्फ केशवसृष्टि में पिकनिक के लिए जा रहे है इतना ही मालूम था। हर बार जैसे वोटर रिसोर्ट या स्विमिंग पुल होगा यही सभी बच्चों के मन में था। लेकिन केशवसृष्टि में आकर स्विमिंग पुल न दिखने के कारण बच्चे पहले थोड़े उदास हो गये लेकिन जैसे ही उन्हें केशवसृष्टि के निसर्ग, सिटी फॉरेस्ट, यहाँ के विविध आयाम और गौशाला, बायोगास

प्लांट जो की सिर्फ किताबों में देखा है उस को देखने मिलेगा, उस प्लांट में काम करने मिलेगा इत्यादि जानकारी मिलने के बाद वो फिर से उत्साहित हो गए। आये हुवे विद्यार्थियों को २ हिस्सों में बाटा गया एक पहला ग्रुप नेचर ट्रेल के लिए जायेगा तो दूसरा विविध उपक्रमों में सहभागी होगा फिर घंटे बाद दूसरा ग्रुप नेचर ट्रेल के लिए जायेगा और पहला ग्रुप विविध उपक्रमों में सहभागी होगा। सेवा सहयोग संस्था के नॉलेज ओंन व्हील उपक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को विज्ञानं की बेहद उपयोगी प्रदर्शनी से अवगत कराया गया, साथ ही केशवसृष्टि परिसर में लगे विविध कम्पोस्टर की जानकारी एवं उन कम्पोस्टर को चलाने का मौका विद्यार्थियों को दिया गया।

नेचर ट्रेल के दौरान केशवसृष्टि परिसर में लगे विविध औषधी पेड़ और उन के उपयोग तथा सिटी फारेस्ट, सोलर ड्रायर, मधुबन तलाब - सोलर पॅनल और उन का उपयोग, सोलर से चलने वाला पानी का पम्प, व्हर्मी वोश प्लांट, गोबर गैस प्रकल्प, केचुवे के द्वारा तयार होने वाला खाद, इलेक्ट्रिक तथा मॅन्युअल कम्पोस्टर इत्यादी के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी मिली।

नेचर ट्रेल के बाद थके हुवे बच्चों ने पाव भाजी, दाल भात और गुलाबजाम का भरपेट आनंद लिया। अंत में केशवसृष्टि द्वारा विद्यार्थीओं को आइस क्रीम दिया। विद्यार्थीयों ने अपने घर के लिए विविध आयुर्वेदिक पेड़ केशवसृष्टि नर्सरी से लिए। बस आने तक इमली के पेड़ के नीचे विद्यार्थिओं ने कचरा व्यवस्थापन विषय पर विविध गाने, पथ नाट्य सादर किये।

नेचर ट्रेल के अंत में १ शिक्षकने अत्यंत भावुक होकर अपना मनोगत व्यक्त किया '२० -२५ सालों से १ शिक्षक के नाते मेरे मन में चली घुटन आज समाप्त हो गयी। २०-२५ साल से विज्ञानं और निसर्ग/कम्पोस्टिंग के बारे में हम बच्चों को यह सब किताबों मे पढ़ा रहे है लेकिन इतने सालों में पहली बार हम विद्यार्थियों को यह सब दिखा पाए। २५ सालों में आज पहिली बार मैं अपने काम से संतुष्ट हुवा। केशवसृष्टि के बहोत बहोत आभार'

इस उपक्रम के चलते स्थानिक प्रशासन के और विविध संस्था के पदाधिकारी केशवसृष्टि आते रहे

केशवसृष्टि में इन बच्चों को स्विमिंग पुल तो नहीं मिल पाया लेकिन हमें हमारे कल के निसर्ग के प्रति अपने देश के प्रति जागरूक नागरिक जरुर मिल गए।

केशवसृष्टि से बाहर जाना किसी के भी मन में नहीं था लेकिन हर बच्चा हमें यह जरुर बता रहा था।

स्वच्छ भारत का इरादा।
इरादा कर लिया हमने,
देश से अपना ये वादा,
ये वादा कर लिया हमने।

Annual Report of seed ball Workshop Program

Introduction

Lands in India have been orphaned and deserted by people due to many reasons.Primarily among them being due to excessive use of pesticides and chemical fertilizers, underground seepage of chemical effluents from heavy manufacturing industries which do not treat their effluents and dump them into water sources like streams, rivers and wet lands.We are loosing forests at very high rates this is leading to increrase in pollution levels and is one of the key reason for global warming & climate change. Cities are becoming increasingly polluted and native tree species are decreasing at an alarming rate in urban centres. A survey conducted in Mumbai few years back found out that 50% of trees species are of non-native origin. Such degradation of ecosytem leads to decline in floral and faunal indexes which is being observed as common species of flora and fauna are becoming rare and population declining is being witnesed. Reforestation is one of the key answer for all above issues. But to plant trees in abundunt number would be great challenge. To fix these proplem, Keshav srushti and his felllow organization come up with innovative solution called seed ball.

Chief Guest Dr. Alka Ji Mandke with students

New Bharada School at CST

Why should we adopt Seed Ball Technique?

- ✓ Lowest Cost
- ✓ Mass Scale of implementation
- ✓ Highest Efficiency

Benefits of Implementing seed ball technique

- Greenery in dry lands.
- Better oxygen levels and oxygen density in cities, villages and reduced pollution.
- Lower carbon dioxide emissions, as trees absorb them.
- Lower soil Erosion during rainy season.
- Increase in underground water levels.
- Wood, bio mass, and compost for farmers from tree leaves, branches.
- Healthier and Stronger Bharat

Methodology

When preparing the seed balls in Mumbai and surrounding areas, make sure that you use good quality red soil which is properly sewed to remove small stones and other impurities.

Do not buy soil from road side nurseries in Mumbai as the soil is highly contaminated and often the soil is stolen from road dividers and other places.

Once the soil is properly cleaned and sewed mix it will seeds which are very small or else one seed and me used per seed ball.

While mixing it with water do not use excess of water. It should be just enough to bind it properly. Once you have mixed it keep it for drying for 24 hours in shade then it can be stored in a cool and dry place in small cartons till monsoons.

Do's

- ✓ Only use virgin good quality sewed soil.
- ✓ Add only small quantity of water.
- ✓ Dry it in under shade for 24 hours.
- ✓ Use only native forest species of plants which are suitable for the region where

the seed balls are going to be deposited.

- ✓ Always take permissions from the forest department where the seed balls are being thrown and involve them.
- ✓ Throw the seed balls in valleys or near rivers where generally its difficult to plant trees.
- ✓ Do regularly check the seed balls for fungal growth or insect infestation happening.

Don'ts

- ✓ Do not buy soil from road side nurseries.
- ✓ Make sure the soil is not having seed bank of weeds.
- ✓ Do not sun-dry the seed balls.
- ✓ Do not use excess amount of water while preparing the mixture.
- ✓ Do not add any compost or manure it increases the rate of fungal infections.
- ✓ Do not store the seed balls in place with high amount of humidity or heat.
- ✓ Do not throw the seed balls before rains or immediately after first rains.
- ✓ Do not throw the seed balls from car or train immediately next to the roads or rail way tracks.
- ✓ Best time to use
- ✓ Seed balls should be thrown after its rainy season starts and it's raining for 2-3 days continuously.

How to use

- ✓ The seed balls can be randomly thrown in forest land by hand.
- ✓ Do not throw or deposit multiple seed balls in one area try to throw it as far as possible.

Where to use

- ✓ The best locations are forest lands and with the permission of the forest department only.
- ✓ Seed balls should be thrown in places where it's difficult to reach like valleys or near rivers and streams where planation is not undertaken.
- ✓ If you are using private lands take permission from the land owners.
- ✓ Do not throw it in agriculture lands, public parks, near roads or railway tracks

Implementation of program

Keshav srushti started seed ball making program across Mumbai. The team had decided to provide trainer and soil from Keshav srushti as far as possible. The first program took place in jogeshawari Suraj Ba vidya Mandir school since then the flow of program continues through out Mumbai.

Till date workshop detail as follow;

Open session for Thana Students

Workshop at Safale

Till date we made around above 10000 seedball throug various places workshop. We aim to complete 100000 seed balls before this monsoon.

There is contionous demand for workshops. Through these work shops, Keshav srushti is bringing change in enviromental issues.

SEED BALL WORKSHOP DETAILS

Sr. No.	Date	Venue/Address	Total participants	Used seeds	Total Seed ball count	Reference	workshop taken by
1	16th March	Shree Surajba Vidya Mandir- Jogeshwari	200	Tarvad, Drum stick	Around 800	Vinayji	Ardip/Ashok/ Vasant
2	28th March	Bharada New High school	150	Agasta, drumstick	Around 500		Ardip/Rohidas
3	14th April	RSS Bal Shakha, Thana	38	Tarvad, Drum stick	Around 400	Mohanji	Ardip/Ashok
4	16th April	Shishu Vikas Prathmik Shala- Ghatkopar	187	Tarvad,	187	Mohanji	Ardip/Ashok
5	22th April	Vikroli Vidyalay - Vikroli	130	Tarvad	Around 900	Yogeeta Tai	Ardip/Ashok
6	24th April	Swapnpurti camp	50	Tarvad	Around 1000	Seva sahyog	Ardip/Ashok
6	25th April	Bajaj Electronics	45	Agasta,Tarvad,Drumstick	Around 1200	Seva sahyog	Rohidas
7	26th April	Swapnpurti camp	50	Tarvad	Around 1000	Seva sahyog	Seva-sahyog volunteers
8	27th April	Thane with the KOW community	88	Tarvad	1007	KOW	Seva-sahyog volunteers
9	28th April	Tea Corner / Prabodhan Thakre hall	30	Tarvad	300		Ardip
10	30th April	Seven-square Schools	450	Tarvad/Agasta	Around 1000	Ardip	Ardip/Rohidas

Kisangopal Rajpuria Vanprasthashram

Address : Uttan gorai Road Near Ram Ratna Vidya Mandir, Gorai gaon, Bhayendar (West).

The capacity of our vanprasthashram is 130 persons of which we have now 110 persons.

To keep them fit, yoga class meditation class and devotional classes have been arranged by us.

We have many changes in our vanprasthashram from March 2018 to April 2019 like we have started new bedridden section for gents and ladies. In that we give the residents room service facilities , attendent facilities and all type of facilities which they require.

We have fitted paver blocks at our ground in front of Annapurna Bhawan. Due to which our residents are comfortable while walking on the ground , this is also good at the time of rainy season.

We have put rubber paints on the terrace of all our buildings because of this there is no problem of leakage in our buildings during rainy season.

Lions club is helping us very much in various ways. They have given us 5 tv sets for our vanprasthashram. They have also given us housekeeping materials for a period of one year.

We fitted tiles in our Annapurna Bhawan, kitchen and guest rooms.

We planted various diffrent types of plants in this year.

We have made a new board of our vanprasthashram and we fitted it above our annapurna bhawan.

Mrs. Pratibha Verma is our regular donor she has made arrangement from some donor and donated us a new washing machine for laundry.

We have made a new installation of metal pipe above our vanprasthashram for hot water from solar heater which is done in this year.

We are celebrating all types of festivals of Hindu religion like Maha Shivratri, Diwali, Navratri Janmaastami etc.

Many guests come to our vanprasthashram for visit and many guest also help us by giving donation.

They give us diffrent types of donation like housekeeping materials daily usable items etc.

Musical singing and orchestra program of old and new songs, stage drama & dancing program are also held by diffrent parties.

न्यू इंडिया स्टार्ट अप कॉन्क्लेव, २२जून२०१९

रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनीमध्ये अटल इनक्युबेशन सेंटर

दि. २२ जून २०१९ रोजी नीति आयोगाच्या अंतर्गत येणाऱ्या अटल इन्होवेशन मिशनच्या अटल इनक्युबेशन सेंटर- रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी द्वारा 'न्यू इंडिया स्टार्ट अप कॉन्क्लेव' ह्या कार्यक्रमाचा उद्घाटन सोहळा केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री. पुरूषोत्तम रुपाला यांच्या हस्ते झाले. तसेच या परिषदेसाठी अटल इन्होवेशन मिशन-नीति आयोगाचे मिशन डायरेक्टर श्री. आर. रमणन, दलित इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स अँड इंडस्ट्रीजचे (डिक्की) संस्थापक श्री. मिलिंद कांबळे आणि मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या महापौर श्रीमती डिंपल मेहता हे प्रमुख पाहुणे म्हणून उपस्थित होते.या परिषदेचे आयोजन रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनीच्या भाईंदर येथील ज्ञान-नैपुण्य केंद्रात करण्यात आले होते. श्री. पुरूषोत्तम रुपाला यांनी कृषि आधारित स्टार्ट अप्स आणि त्यांचा समाजाला होणारा उपयोग यावर प्रकाश टाकला तर सेंद्रिय शेतीच्या माध्यमातून मुबलक प्रमाणातील अन्न धान्य उपलब्ध करून देण्याची क्षमता भारतामध्येच असल्याने हे अटल इनक्युबेशन सेंटर होतकरू स्टार्ट अप्ससाठी एक महत्वाचं मार्गदर्शन केंद्र बनेल असा विश्वास व्यक्त केला. श्री. आर. रमणन यांनी अटल इन्होवेशन मिशनचे कार्य उपस्थितांना समजावून सांगत अटल इनक्युबेशन सेंटरचे महत्व यावेळी अधोरेखित केले आणि प्रबोधिनीचे अश्या प्रकारच्या परिषदेच्या आयोजनासाठी अभिनंदन केले तर श्री. मिलिंद कांबळे यांनी स्टार्ट अप्सच्या विविध समस्या जाणून घेऊन त्यावर या सेंटरने मार्गदर्शन करून त्यांना एक दिशा द्यावी असे प्रतिपादन केले. मिरा भाईंदरच्या महापौर श्रीमती डिंपल मेहतांनी देखील स्टार्ट अप्सचे कौतुक करून त्यांना शुभेच्छा दिल्या. रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनीचे महासंचालक श्री. रवींद्र साठे यांनी कार्यक्रमाची रूपरेषा समजावून सांगितली तर अटल इनक्युबेशन सेंटरचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री उदय वांकावला यांनी उद्घाटन सत्रातील मान्यवरांचे आभार मानले. कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन प्रबोधिनीचे कार्यकारी प्रमुख आणि अटल इनक्युबेशन सेंटरचे मुख्य सल्लागार श्री. रवी पोखरणा यांनी केले.

उद्घाटन सत्रानंतर ह्या परिषदेत 'कनेक्ट, शेअर आणि ग्रो' या त्रिसूत्रीवर आधारित, कृषी, माहिती संचार तंत्रज्ञान (शैक्षणिक व आरोग्य) व सामाजिक उपक्रम या क्षेत्रांत सहभागी असणाऱ्या आणि नावीन्यपूर्ण, तंत्रज्ञानयुक्त व रोजगार निर्मिती अश्या गुणांच्या माध्यमातून भारतीय समाजात परिवर्तन घडवून आणण्याची क्षमता असलेल्या २१ स्टार्ट अप्सनी आपल्या व्यवसायाचे सादरीकरण विविध क्षेत्रातले तज्ज्ञ, मान्यवर आणि विद्यार्थ्यांसमोर केले. तीन समांतर सत्रांमध्ये झालेल्या या सादरीकरणांचे मानव संसाधन विकास मंत्रालयातील चीफ इन्होवेशन ऑफिसर डॉ. अभय जेरे (माहिती संचार तंत्रज्ञान), बी.व्ही.जी. ग्रुपचे अध्यक्ष श्री. हनमंत गायकवाड (कृषि) आणि दलित इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स अँड इंडस्ट्रीजचे संस्थापक श्री. मिलिंद कांबळे (सामाजिक उपक्रम) यांच्या अध्यक्षतेखाली २० पेक्षा अधिक तज्ज्ञांनी मुल्यांकन केले. जवळपास २५० प्रतिनिधींनी या परिषदेत आपला सहभाग नोंदवला.

समारोप सत्रात तीनही विभागांच्या अध्यक्षांनी आपले मनोगत व्यक्त करून या स्टार्ट अप्सना प्रोत्साहन दिले.अटल इनक्युबेशन सेंटर- रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनीचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. उदय वांकावला यांनी सेंटरच्या विविध कार्यक्रमांचा आणि आगामी काळात या सेंटरच्या माध्यमातून होणाऱ्या उपक्रमांचा थोडक्यात आढावा घेतला. तर फ्युचर ग्रुपचे मदन मोहन मोहपात्रा यांनी स्वत:चे अनुभव व्यक्त करत स्टार्ट अप्सना नावीन्यपूर्ण योजना आखून त्या लोकांपर्यंत पोहचवण्याचे आवाहन केले. अटल इनक्युबेशन सेंटरचे संचालक श्री. जय मृग यांनी अश्या प्रकारच्या परिषदांचे महत्व अधोरेखित केले तर कार्यक्रमाचा समारोप रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनीचे ट्रस्टी श्री. अरविंद रेगे यांच्या भाषणाने झाला.

Annual Report : Knowledge on Wheels 2018-19
Sponsored by: Aditya Birla Capital

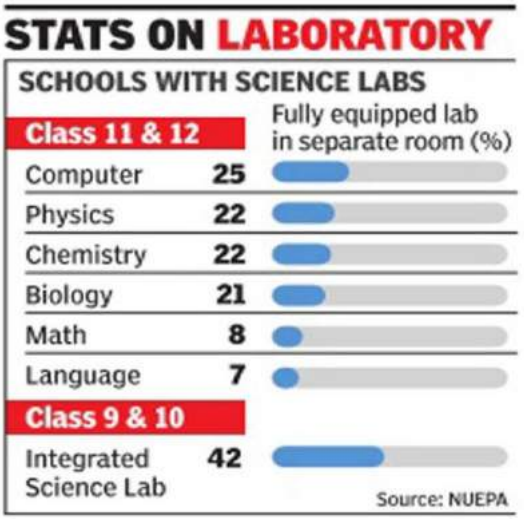

Background:

A survey was conducted by the Unified District Information System on Education (UDISE) and the data analysed by the Delhi based National University for Educational Administration and Planning (NUEPA), the results of this survey revealed that 75% of the schools lacked decent science laboratories.

The students from the remote regions have been suffering the limited exposure to the adequate science equipment. The educational system has been laying its emphasis on experiential learning, where the students develop better understanding of the topic when their heads, hands and hearts are engaged.

It was identified that many school, nearby Mumbai city have been deprived of sufficient exposure to science laboratories, libraries and interactive learning. The learning can be made lot more easy and interesting if supplemented with various teaching learning methods. The project was thus tailored, so as to address this need. One of the main objective of the project was to help the students develop a logic towards understanding the topic, so as to ensure that the information transferred through the textbooks and experiential learning gets converted into knowledge. The motive of the project is to help the students understand the science in his day to day life. The library element further supplements the learning as the students develop interest in reading.

The optimum utilization of the project is further ensured by not only restricting the project to the classroom sessions. The project shall have an holistic approach of imparting education in the community nearby the school, so as to include the youth and citizens from the community.

The Knowledge on Wheels is an exclusive project which caters out to the students from the Bhayendar region of the western suburban Mumbai. The project was designed such as to cater to the underprivileged schools in the periphery of the area of concern. The project was initiated with a brief need assessment survey to identify the right school for implementing the project.

The chief highlights of the project offers supplementary learning support through:

- Science Learning aids (Models & Experiments for the classes 5th to 10th)
- Mobile book library
- Digital Microscope
- Introduction to astronomy and interactive module.

Implementation :

The identification of the schools was concentrated for Bhayendar region.. The project energized in April, when the schools were closed for the summer vacations. The identification of the eligible schools was prepared by then. The education department was given information regarding the project. The final list of schools shall be confirmed in teacher principal meetings.

The procurement of the vehicle, fittings for the laboratory, installing laboratory material and branding

Recruitment of teachers and conducting

teachers trainings. Mapping of school syllabus is accomplished - Annexure 1

School Visits (Summary)

The project team visited 25 schools in Mira Bhayander area in the month of August 2018.We met the Principal of these schools and explained them about our project "Knowledge on wheels". We explained how it would benefit the students as they would be made to experience the concept as our trainer would be practically exhibiting it by means of some simple projects and equipments. They were convinced that this would really help the students as most of these schools are not having the facility of science laboratories. We also came across some few schools where the schools are fully equipped with a fully fledged science laboratory and also had trained teachers. Hence we excluded such

schools.

Activity in the community- (Case let)

Our team had visited Keshav Srushti on 17th September 2018. We could gather about 30 students from nearby community there. This group consisted of students from 4th standard to 10th Standard. When our trainer asked them some very basic questions about our body and some basic know how about equipment like hand pump etc. they were unable to answer & seemed clueless about it. We spent about two hours with them. We explained about our teeth & other body parts. We also explained them about the function of hand pump. We exhibited the working model of hand pump and showed them the working of it practically. The students were thrilled to see our teeth model. They were very excited & participated whole heartedly in activities. After the session got over we asked them the same questions. About 90% of the students could give correct answers this time. This experience of community teaching gave us the satisfaction that purpose of our visit was fulfilled.

A meeting was conducted on 1st Sept 2018 attended by our trainers. The objective of the meeting was to finalize the syllabus for 2nd semester of this academic year. The syllabus was finalized after discussion & mutual consent. We also discussed about the videos to be shown and the practical to be conducted. The trainers shared their experiences & the difficulties they

face while on field. This meeting turned out to be very productive as the trainers got to clear their concepts during the discussion. We also discussed about the safety management of the students while conducting the practical.

teachers ensures the sustenance of the activity, the presence of the teachers during the session supplements the learning experience of the students. The school teachers are essential for establishing linkages in the experiential learning and the curricular learning of the students.

Highlights of the project:

The project has gained popularity in the neighboring schools due to interactive engagements with the school teachers and school committee members. The highlights of the projects are:

- Demonstration of the Knowledge on Wheels in community exhibitions, and science fairs to increase the outreach for students and their parents.
- Rocket making activities
- Audio - Visual learning
- Increase in usage of the KoW, with participation of the school teachers in demonstrating the science experiments
- Joint visit to the KoW project by the ABCL, SSF team.

Challenge:

The participation of the

The challenge was addressed with joint meetings with the school headmasters and science teachers.

Exams followed by the vacations. These inactive dates were utilized for demonstrating the science experiments to the students visiting the Keshav Srushti campus.

Knowledge on Wheels : Caselets:

1. The Knowledge on wheels project has not only been delivering curricular learning, but also giving a learning experience of co-curricular and extra curricular subjects. This year the teachers have observed a rise in student?s participation in science fairs. The topics opted by the students were mostly based on the applications of the phenomenon explained in the sessions of Knowledge on Wheels.

2. The Knowledge on Wheels have gained popularity in Uttan, Bhayendar, schools not on the list too have been showing interest in hosting the Knowledge on Wheels at their schools, so as to enhance the exposure of their students. In other case, the school would have fallen short due to lack of infrastructural support.

In the initial stages of outreach, as the Knowledge on wheels did not have much popularity in the periphery, the schools were reluctant in offering time slots for teaching science. The teachers and school representatives on being invited to observe the functioning of the Knowledge on Wheels, showed confidence in scheduling the sessions.

The school teachers have themselves been stepping forward to volunteer for Knowledge on Wheels, so as to ensure the scientific concepts of the students are well understood.

Benneficiary count

Number of beneficiaries covered in schools		
Duration	**Schools Covered**	**Unique number of students**
September '18 – March „19	23	5333

Number of beneficiaries covered in Community		
Sr. No	**Communities**	**Number of students covered**
1	06	317

Outreach in Schools and communities

Knowledge on Wheels has outreached
23 schools | 6 communities

Students Impacted

5,333 unique students in the second semester

Understanding of subjects

23% rise in students understanding of the subject

Science Fairs and Recognition

Recognition from MBMC Education Office, Allocation of a special officer for the project. Hosting science fairs and hands on activities.

Experiments Conducted by KoW

Sr. No.	Name of chapter	Name of experiment
1	Characteristics of Living Things	Responsiveness to stimuli (experiment)
2	Force	Gravitational force (spring balance) (experiment)
		Boiling point freezing point (experiment)
		Magnetic force (floating Penci & Types of Magnet)
		Frictional force (model)
3	Motion and Types of Motion	Circular motion (experiment)
4	Simple Machines	Pulley (model)
		Lever (model), Types of Lever
		Hand Pump
		Archimedes Screw (model)
5	Methods of Separating Substances	Sublimation (iodine crystals) (experiment)
		Using Magnetic property (experiment)
6	Light & Formation of shadows	Propagation of light
		solar system
		Weight Box, Weighing Scale
	7 substances in surroundings	thread model

Sr. No.	Name of chapter	Name of experiment
1	Propagation of Light	Light experiment (experiment)
		Formation of shadows (experiment)
2	Effects of heat	Effect of heat on metal ball (experiment)
		Conduction of heat
		The bio metallic strip
		calorimeter (experiment) (model)
3	Classification of substances	magnet, Magnetic Field
		compounds magnesium ribbon (experiment)
4	Circulation of blood	Human Blood Circulation (model)
5	Propagation of Sound	propagation of sound (model)
		How sound travels? – Delay in speech
		Musical instruments (model) tunning fork
6	Electric charge	Static electricity (experiment)
7	Acids bases and Salts	Litmus Test (group activity) (experiment)
		(chalk + HCL = co2) litmus, (experiment)
		Distillation

Sr. No.	Name of chapter	Name of experiment
1	Stars & our solar system	Day & Night model (model)
		phases of moon
2	Atmospheric Pressure	Measuring pressure (model)
		Tornado (model)
3	Magnetism	Magnetic attraction
		Magnetism
4	The Structure of an atom	structure of an atom
5	Light	reflection of light (experiment)
		periscope (model)
		kaleidoscope (model)
6	Electric Current	Electro magnet (model)
		The magnetic field of an electric current
		rocks & minerals model
		Colour Shadow

Sr. No.	Name of chapter	Name of experiment
1	Inside The Atom	Atomic model
2	Understanding matter	(Tyndale Effect) (experiment)
		Viscosity (experiment)
3	The Laws of Motion	Newton's 1st law of motion
		Law of Inertia (model)
		Newton "s cradle – Action Reaction (Model)
4	Why bodies float?	Archimedes principle (experiment)
5	Energy : The driving force	Law of Conservation : couple pendulum (model)
		Wave Pendulum (model)
		Maxwell's wheel (model)
6	The Music of sound	Production of Sound (model) xylophone
		Propagation of Sound
		Ear Structure (model)
		Electric Bell
		Magic Tap
		Zoetrope
		Infinity Mirror

Sr. No.	Name of chapter	Name of experiment
1	All about Electromagnetism	Magnetic Lines and force (magnetic field) (model)
		Flemings left hand rule (simple motor) (model)
		Multi meter (experiment)

2	Wonders of Light - Part I	Mirror (convergence and divergence) (experiment)
		Lenses (convex and concave) (experiment)
3	Wonders of Light - Part II	Refraction of Light (experiment)
4	Life "s InternalSecrets	Human Liver (model)
		Heart (model)
4	The Regulators of life	The Human Brain (model)
5	Mapping our Genes	Expression of Traits - DNA model (model)
6	Striving for better Environment Part II	Solar (model)
		Wind Mill (model)
		Ohm's Law
		parallel series
		Artificial Satellite

Unique workshops of Seed ball making

Glimpses of knowledge on Wheels

Postal Registration No. THW/06/2017-2019 RNI No. 72232 / 99

द्राक्षोविन® स्पेशल

प्रोप्रायटरी

सुप्रीम हेल्थ टॉनिक

धूतपापेश्वर

१८७२ से आयुर्वेद सेवा

भूख बढाए पचन सुधारे

शक्ति एवं फुर्ती बढाए

दिमाग को तेज रखे

द्राक्षा, अश्वगंधा एवं ब्राह्मी जैसे प्रमुख घटकों से निर्मित

पॅक : ३३० मि.लि.

Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 070005
Drakshovin

Drakshovin Product Advt_SDL_Keshav Shrushti Samachar_15 x 22_Hindi_N_0719

शास्त्रशुद्ध, मानकीकृत, सुरक्षित एवं उत्तम गुणवत्ता के आयुर्वेद दवाईयों के निर्माता

श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड

१३५, नानुभाई देसाई रोड, खेतवाडी, मुंबई -४०० ००४.
फोन नं.:+९१-२२-६२३४ ६३००/२३८२ ५८८८; फॅक्स: +९१-२२-२३८८ १३०८

Toll Free : 1-800-2 AYUSH
(Dial AYUSH as in 29874
working days 9:00-17:00 hrs)

E-mail : healthcare@sdlindia.com • www.sdlindia.com

यह पत्रिका मुद्रक एवं प्रकाशक सुरेश भगेरिया द्वारा केशवसृष्टि के लिए यूनिटी आर्ट ऑफसेट, ३०२, वडाला उद्योग भवन, वडाला, मुंबई - ४०० ०३१ से मुद्रित और केशवसृष्टि, उत्तन, भायंदर, जि. ठाणे से प्रकाशित हुई है. - संपादक : **सुदर्शन शर्मा**